HIN1B08a – Séance N° 5
Les propositions relatives (1)

Séquence 1 :
- सिड की बदौलत हम साथ में सफ़र करेंगे। और तुम्हें पसंद हो या नहीं अब से हम एक बड़ा ख़ुशाल परिवार होंगे। मैं परिवार का पीता हूँगा, एल्ली होगी परिवार की माँ और डियेगो चाचा होगा [जो मुझे तंग करनेवाले बच्चों को ज़िन्दा खा जाता है]। अब इससे पहले कि ज़मीन हमारे पैरों के नीचे से खसके चलो यहाँ से।

Séquence 2 :
- वह गाँव चली गई।
- आज लक्षमी अपने गाँव के घर में रहने चली जाती है। विनोदिनी [जो उसी गाँव में रहती है] उसका साथ देती है।

Séquence 3 :
- और अब अंतिम घोषणा [जिसकी आप सबको प्रतीक्षा है]। इस वर्ष एक निश्चित दिन चम्पई माता की कृपा से राजकुमारी जोधा और राजकुमार रतनसिंह हल्दी रोली के बंधन में बंध जाएँगे।

Séquence 4 :
- अजय की माँ [जिन्होंने न सिर्फ अपना बेटा बलकि अपना पति भी देश पर निछावर कर दिया] आज हॉस्पिटल में कॉमा में हैं। ज़िन्दगी से जूझ रही हैं।

Séquence 5 :
- Max यहीं रुको। मुझे यहाँ कोई चाहिए जिस पर मैं भरोसा कर सकूँ।
- फ़िकर मत करो। जाओ।

Séquence 6 :
- तो मिस्टर लाजवाब, क्या आपका दूसरा रूप ही है ?
- हर सुपर हीरो का एक छुपा रूप होता है। कोई ऐसा नहीं जिसका छुपा रूप न हो। मेरा मतलब कौन दिन-रात टाइट अंडरवेर में रहना चाहेगा ?

Séquence 7 :
- पर देखिए न मेरी नादानी। मैं जानता ही नहीं था कि ये सब बातें इतनी ज़रूरी होती हैं। मैं तो इतना ही जानता था कि मैंने एक लड़की को देखा है जो बहुत ख़ूब सूरत है, जिसे मैं मिलके जानना चाहता हूँ, दोस्त बनाना चाहता हूँ। मुझे लगता था कि डैट पे पूछने के लिए इतना काफ़ी होता है। कितना बुद्धू था। है न ? पर अब मैं समझ गया।

Séquence 8 :
- आप कहते हैं मैं क़ानून के ख़िलाफ़ हूँ। चालिस साल पहले एक और आदमी था जो क़ानून के ख़िलाफ़ था। आज हम उस आदमी को बापू कहते हैं।

Séquence 9 :
- तीस साल पहले, इसी चम्बर में, उन्होंने मुझसे कुछ बातें की थीं जो आज मैं तुम्हें बताना चाहूँ।